प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

संकलित परीक्षा (**द्वितीय**) 2015-2016

हिंदी - 'अ'

कक्षा - दसवीं

निर्धारित समय-3 घंटे अधिकतम अंक-90

सामान्य निर्देश:-

i) इस प्रश्न के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ ।

ii) चारों खंडो के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खंड - 'क'

(अपठित अंश)

1.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए - 1x5=5

चाणक्य के अनुसार, हमें इन तीनो उपक्रमों में कभी संतोष नहीं करना चाहिए - 'त्रिषु नैव कर्त्तव्य: **विद्यायां** जप दानयो:।' अर्थात् विद्या अर्जन में कभी संतोष नहीं करना चाहिए कि बस, बहुत ज्ञान अर्जित कर लिया । इसी तरह जप और दान करने में भी संतोष नहीं करना चाहिए । संतोष को महत्व देते हुए कहा गया है कि 'जब आवे संतोष धन, सब धन धूरि समान ।' हमें जो प्राप्त हो उसमें ही संतोष करना चाहिए ।

'साईं इतना दीजिए जामैं कुटुंब समाय । में भी भूखा न रहूँ, साधू न भूखा जाए' अर्थात् संतोष सबसे बड़ा धन हैं । जीवन में संतोष रहा, शुद्ध-सात्विक आचरण और शुचिता का भाव रहा तो हमारे मन के सभी विकार दूर हो जाएँगे और हमारे अन्दर सत्य, निष्ठा, प्रेम, उदारता, दया और आत्मीयता की गंगा बहने लगेगी । आज के मनुष्य की सांसारिकता में बढती लिप्तता, वैश्विक बाजारवाद और भौतिकता की चकाचौंध के कारण संत्रास , कुंठा और असंतोष दिन-प्रतिदिन बढता ही जा रहा है । इसी असंतोष को दूर करने के लिए संतोषी बनना आवश्यक हो गया है । सुखी और शांतिपूर्ण जीवन के लिए संतोष सफल औषधि है ।

i) मनुष्य को किसके प्रति संतोष नहीं करना चाहिए-

क) दान ।

ख) धन ।

ग) मान ।

घ) अस्त्र-शस्त्र ।

ii) मनुष्य को किसमें संतोष रखना चाहिए ?

क) जो हमसे लिया गया हो ।

ख) जो हमें प्राप्त हो ।

ग) जो हमें किसी को देना हो ।

घ) किसी जरूरतमंद व्यक्ति से लेना हो ।

iii) हमारे अन्दर कब दया, उदारता और आत्मीयता की गंगा बहने लगेगी?

क) जब हमारे मन में मैल आ जाए ।

ख) जब दूसरों के प्रति ईर्ष्या आ जाए ।

ग) हमारे मन में जब संतोष आ जाए ।

घ) हमारे मन में जब भेदभाव की भावना हो ।

iv) मनुष्य की सांसारिकता में बढती लिप्तता, वैश्विक बाजारवाद और भौतिकता की चकाचौंध ने किसे बढावा दिया है ?

क) अपराध को ।

ख) गंभीर बीमारियों को ।

ग) प्यार और अपनेपन की भावना को ।

घ) संत्रास, कुंठा और असंतोष को ।

v) उपरोक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है-

क) बढ़ता असंतोष

ख) संतोष का महत्व

ग) बढ़ती कुंठाएँ

घ) व्यक्तिगत स्वार्थ

2.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए- 1x5=5

राष्ट्र के प्रति हमारा कर्त्तव्य है की हम इसकी प्रगति में पूरा-पूरा सहयोग दें । राष्ट्र को स्वावलंबी बनानें में हमारी भूमिका निर्णायक सिद्ध होगी । औद्योगिक एवं कृषि की दृष्टि से राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाना अत्यंत आवश्यक है । ऐसा तभी संभव है जब हम अपने-अपने क्षेत्र में पूरी लगन एवं मेहनत के साथ कार्य

करें । आर्थिक द्रृष्टि से राष्ट्र को सबल बनाना भी हमारा कर्त्तव्य है । हमे करों का भुगतान पूरी ईमानदारी के साथ करना चाहिए ।
राष्ट्र के प्रति हमारा यह भी कर्त्तव्य है की हम राष्ट्र के सम्मान को कभी नीचे न गिरने दें । हमे विदेशियों के सम्मुख कभी अपने राष्ट्र की बुराई नहीं करनी चाहिए । यदि हम ऐसा करते हैं तो अपने देश के सामूहिक मानसिक बल का हास् करते हैं । हमें सदैव ऐसे कार्य करने चाहिए जिनसे हमारा राष्ट्र गर्व का अनुभव कर सके । राष्ट्र में व्याप्त बुराइयाँ दूर करने के लिए भी हमे प्रयत्नशील रहना चाहिए । बेरोज़गारी, भ्रष्टाचार, कालाबाज़ारी, नशाखोरी आदि बुराइयों पर नियन्त्रण पाने में हमें सरकार की पूरी-पूरी मदद करनी चाहिये । जब हमारा राष्ट्र इन बुराइयों से पीछा छुड़ा लेगा, तब हमारा राष्ट्र निश्चय ही उन्नति के मार्ग पर बढ़ चलेगा ।

i) राष्ट्र के प्रति हमारा क्या कर्त्तव्य है ?

क) राष्ट्र को स्वावलंबी बनाएं ।

ख) राष्ट्र की प्रगति में पूरा-पूरा सहयोग दें ।

ग) उद्योग स्थापित करें ।

घ) राष्ट्र को प्रगतिशील एवम स्वावलंबी बनाएं ।

ii) हम राष्ट्र का सम्मान कैसे बनाये रख सकते हैं ?

क) विदेशियों के सामने अपने राष्ट्र की बुराई न करके ।

ख) चुप रहकर ।

ग) राष्ट्र के लिए अच्छे काम करके ।

घ) अन्य राष्ट्रों के साथ तुलना करके ।

iii) हम राष्ट्र को आर्थिक दृष्टि से कैसे सबल बना सकते हैं?

क) कर- वंचना करके ।

ख) धन कमाकर ।

ग) करों का भुगतान पूरी ईमानदारी के साथ करके ।

घ) आर्थिक विकास करके ।

iv) 'उन्नति' शब्द का विलोम है ।

क) अपनति ।

ख) अवनति ।

ग) अवन्नति

घ) प्रोन्नति ।

v) भ्रष्टाचार शब्द का संधि विच्छेद है-

क) भ्रष्टा+चार ।

ख) भ्रष्ट+अचार ।

ग) भ्रष्ट+आचार ।

घ) भ्रष्टाचा+र ।

3. निम्लिखित कव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छांटकर लिखिए- 1x5=5

दो में से क्या तुम्हे क्या चाहिए, कलम या कि तलवार?
मन में ऊँचे भाव की तन में शक्ति अजय अपार।
कलम देश की बड़ी शक्ति है, भाव जगाने वाली,
दिल ही नहीं, दिमागों में भी आग लगाने वाली ।
पैदा करती कलम विचारों के जलते अंगारे,
और प्रज्वाल्लित-प्राण देश क्या कभी मरेगा मारे ?
लहू गरम रखने को रखो मन में ज्वलित विचार,
हिंस्र जीव से बचने को चाहिए किन्तु तलवार ।
एक भेद है और जहाँ निर्भय होते नर-नारी,
कलम उगलती आग, जहाँ अक्षर बनते चिंगारी ।
जहाँ मनुष्यों के भीतर, हरदम जलते हैं शोले,
बांहों में बिजली होती, होते दिमाग में गोले ।
जहाँ लोग पलते लहू में हलाहल की धार,
क्या चिंता यदि वहां हाथ में हुई नहीं तलवार ।

(i) 'कलम' और 'तलवार' को कवि ने मनुष्य की किन शक्तियों के लिए प्रयोग किया है?

क) मन और शरीर

ख) विद्या और शस्त्र

ग) अहिंसा और हिंसा

घ) विचारों का बल और शारीरिक बल

ii) 'कलम' को महत्वपूर्ण बताए जाने का कारण क्या है?

क) कलम मनुषय को जीवंत रखती है ।

ख) तलवार से कलम की भाषा अधिक शक्तिशाली है ।

ग) कलम के आगे तलवार हार मान लेती है ।

घ) विचार क्रांति ला सकते है ।

iii) शस्त्र की शक्ति की आवश्यकता किस स्थिति में नही रहती है ?

क) जब हिंसक जीव शेष न रहें ।

ख) जब कोई भी शत्रु न हो ।

ग) जब लोगो के मन में और विचारों में आग लगी हो ।

घ) जब लोग अहिंसक बन जाएँ ।

iv) 'जहाँ लोग पालते लहू में हलाहल की धार', पंक्ति में 'हालाहल' का अर्थ है-

क) विष

ख) रक्त

ग) शिव

घ) व्याधि

v) 'कलम उगलती आग, जहाँ अक्षर बनते चिंगारी' का आशय क्या है?

क) कलम द्वारा पृष्ठों पर आग रूपी अक्षर बनते है ।

ख) कलम से वीरता पूर्ण विचारों का निर्माण होता है ।

ग) कलम युद्ध का न्योता देती है ।

घ) कलम वीरता का गुणगान करती है ।

4. निम्नलिखित काव्यांश को पड़कर नीचे दिए गऐ प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छांटकर लिखिए- 1x5=5

कुछ भी बन, बस, कायर मत बन ।
ठोकर मार, पटक मत माथा, तेरी राह रोकते पाहन ।
कुछ भी बन, बस, कायर मत बन ।
ले-दे कर जीना क्या जीना, कब तक गम के आंसू पीना
मानवता ने सींचा तुझको, बहा युगों तक खून-पसीना
कुछ न करेगा? किया करेगा-रे मनुष्य, बस कातर क्रंदन?
कुछ भी बन, बस, कायर मत बन ।
'युधम देहि' कहे जब पामर, दे न दुहाई पीठ फेर कर
या तो जीत प्रीत के बल पर या तेरा पग चूमे
प्रतिहिंसा भी दुर्बलता है पर कायरता अधिक अपावन।
कुछ भी बन, बस, कायर मत बन ।

i) कवि हमें क्या न बनने की प्रेरणा दे रहा है?

क) साहसी

ख) कायर

ग) परिश्रमी

घ) आलसी

ii) प्रतिहिंसा से क्या तात्पर्य है?

क) बदला लेना

ख) रुकावट डालना

ग) अपशब्द कहना

घ) हिंसा करना

iii) कवि किस प्रकार के जीवन को व्यर्थ मानता है?

क) अश्रुपूर्ण जीवन को

ख) दुष्टतापूर्ण जीवन को

ग) कायरता पूर्ण जीवन को

घ) निराशावादी जीवन को

iv) 'पटक मत माथा' का क्या आशय है?

क) मस्तक झुकाना

ख) आंसू बहाना

ग) घबरा जाना

घ) निराश होना

v) 'कायर' शब्द का विलोम है-

क) डरपोक

ख) साहसी

ग) आलसी

घ) बुद्धिमान।

खंड - 'ख'

(व्यावहारिक व्याकरण)

5. 1X3=3

निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-

क) अंकित ने कहा कि मैं आज विद्यालय नहीं जाऊँगा ।
(रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए)

ख) प्रथम आने वाले विद्यार्थी को पुरस्कार दिया जाएगा ।
(मिश्र वाक्य में बदलिए)

ग) हमने हर्षिता का पत्र पढ़कर सबको उसकी कुशलता का समाचार दिया ।
(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

6. निम्नलिखित वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिए - 1X4=4

क) यह मकान दादाजी ने बनवाया है । (कर्म वाच्य)

ख) वह दौड़ नहीं सकता । (भाव वाच्य)

ग) अध्यापक द्वारा विद्यार्थी को पढ़ाया गया । (कर्तृ वाच्य)

घ) राष्ट्रपति ने इस भवन का उद्घाटन किया । (कर्म वाच्य)

7. रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए - 1X4=4

अहा ! उपवन में सुन्दर फूल खिले हैं ।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्त्तर निर्देशानुसार लिखिए - 1X4=4

क) स्थायी भाव और संचारी भाव में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

ख) रौद्र रस का स्थायी भाव लिखिए ।

ग) जुगुप्सा (घृणा) से कौन-सा रस निष्पन्न होता हैं ?

घ) वियोग श्रृंगार रस से संबंधित काव्य पंक्तियाँ लिखिए ।

खंड - 'ग'

(पाठ्य पुस्तक)

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

अत्रि की पत्नी पत्नी-धर्म पर व्याख्यान देते समय घंटो पांडित्य प्रकट करे, गार्गी बड़े-बड़े ब्रह्मवादियों को हरा दे, मंडन मिश्र की सहधर्मचारिणी शंकराचार्य के छक्के छुड़ा दें ! गज़ब ! इससे अधिक भयंकर बात और क्या हो सकेगी ! यह सब पापी

पढ़ने का अपराध है । न वे पढ़तीं, न वे पूजनीय पुरुषों का मुकाबला करतीं । यह सारा दुराचार स्त्रियों को पढ़ाने ही का कुफल है । समझे । स्त्रियों के लिए पढना कालकूट और पुरुषों के लिए पीयूष का घूंट ! ऐसी ही दलीलों और दृष्टान्तों के आधार पर कुछ लोग स्त्रियों को अपढ़ रखकर भारतवर्ष का गौरव बढ़ाना चाहते हैं ।

क) प्राचीन नारियों ने किस प्रकार अपने ज्ञान कि धाक जमाई थी? 1

ख) लेखक ने किसे 'भयंकर बात' और 'पापी पढने का अपराध' कहा और क्यों? 2

ग) 'यह सारा दुराचार स्त्रियों को पढ़ाने का ही कुफल है'- का व्यंग्य स्पष्ट कीजिए । 2

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए - 2x5=10

क) लेखिका के व्यक्तित्व का सही विकास कब हुआ ? 'एक कहानी यह भी' के आधार पर बताइए ।

ख) बिस्मिल्ला खां को संगीत की आरंभिक प्रेरणा किससे मिली ?

ग) वास्तविक अर्थो में 'संस्कृत' व्यक्ति किसे कहा जा सकता है ?

घ) अपनों का विश्वासघात मनुष्य पर क्या प्रभाव डालता हैं ?'एक कहानी यह भी' के आधार पर लिखिए ।

ङ) बिस्मिल्ला खां काशी को छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहते थे ?

11. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया;
जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया ।
प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,
हर चन्द्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है ।
जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन -
छाया मत छूना
मन, होगा दुःख दूना ।

क) कवि ने यश, वैभव, मान आदि को किसके सामान बताया है ? 1

ख) 'हर चंद्रिका मे छिपी एक रात कृष्णा है' - इस पंक्ति के माध्यम से कवि किस तथ्य को बताना चाहता है ? 2

ग) व्यक्ति को कठिन यथार्थ का पूजन क्यों करना चाहिए । 2

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए - 2x5=10

क) परशुराम ने धनुष तोड़ने वाले के विषय में पूछा, तो श्रीराम ने 'धनुष मेरे द्वारा टूट गया है ।' सीधा उत्तर न देकर ऐसा क्यों कहा कि 'धनुष तोड़ने वाला आपका कोई दास होगा'

ख) माँ ने बेटी को क्या-क्या सीख दी ? 'कन्यादान' कविता के आधार पर बताइए ?

ग) 'संगतकार' कविता में कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

घ) लक्ष्मण ने अपने कुल कि क्या परम्परा बताई ?

ङ) 'कन्यादान' कविता में कवि आग जलाने के संदर्भ में क्या संदेश देता है ?

13. 'कटाओ' में किसी भी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है । इस कथन के पक्ष में अपनी राय व्यक्त कीजिए । 5

खंड - 'घ'

(लेखन)

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए - 10

क) प्रतिभा पलायन

- प्रस्तावना (प्रतिभा पलायन का अर्थ)
- पलायन के कारण
- विदेशों का बढ़ता मोह
- विश्वशक्ति के रूप में उभरता भारत
- उपसंहार

ख) बदलती जीवन-शैली

- प्रस्तावना (जीवन शैली का आशय)
- परिवर्तन के क्षेत्र (भोजन, वस्त्र, कार्य शैली आदि)
- प्रभाव
- परिणाम (स्वास्थ्य, संस्कृति आदि पर)
- उपसंहार

ग) प्रगति की ओर भारत के बढते कदम

- प्रगति की विभिन्न दिशाएँ
- बाधाएँ और उनका निवारण
- विश्व पटल पर भारत की स्थिति

- उपसंहार

15. किसी प्रसिद्ध समाचार पत्र के संपादक के नाम पत्र लिखकर रेल आरक्षण व्यवस्था में हुए सुधार की प्रशंसा कीजिए। 5

अथवा

आपका छोटा भाई पढाई में पूरा मन नहीं लगाता अतः अपने छोटे भाई को मन लगाकर पढ़ने की सलाह देते हुए एक पत्र लिखिए।

16. निम्नलिखित गद्यांश का एक तिहाई शब्दों मे सार लिखते हुए उसका उचित शीर्षक भी लिखिए - 5

भाग्य एवं पुरुषार्थ सहोदर हैं किन्तु उनके स्वाभाव में जमीन-आसमान का अंतर है। दोनों में अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए संघर्ष होता रहता है। मनुष्य अपने स्वभाव के अनुसार दोनों में से किसी एक को अपना लेता है। मनुष्य को जीवन में सफलता की प्राप्ति उसके भाग्य से नहीं कर्म से होती है। मनुष्य को भाग्य के सहारे बैठने की प्रवृति त्याग कर कर्म करने की प्रवृति अपनानी चाहिए। मुसीबत के समय जो व्यक्ति भाग्य के सहारे रहकर कर्तव्य पालन में लापरवाही करता है उसका दुष्परिणाम उसे लंबे समय तक भुगतना पड़ता है सफ़लता प्राप्ति का मूल मंत्र भाग्य नहीं कर्म है। इस संबंध में भगवान श्री कृष्ण का विचार था की तुम विजयी बनना चाहते हो या सफल बनना चाहते हो तो फिर रुकने की क्या आवश्यकता है। विपरीत परिस्थितयों से मित्रता नहीं संघर्ष की आवश्यकता है। अत: अपने पुरुषार्थ पर भरोसा कर कर्तव्य परायण बनना चाहिए, भाग्यवादी नहीं।

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र

उत्तर संकेत

संकलित परीक्षा (द्वितीय) 2015-16

हिंदी - 'अ'

कक्षा - दसवीं

खंड - 'क'

(अपठित बोध)

1. अपठित गद्यांश 1x5=5

i) क) - दान ।

ii) ख) - जो हमें प्राप्त हो ।

iii) ग) - हमारे मन में जब संतोष आ जाए ।

iv) घ) - संत्रास, कुंठा और असंतोष को ।

v) ख.)- संतोष का महत्त्व

2. अपठित गद्यांश 1x5=5

i) घ) - राष्ट्र को प्रगतिशील एवं स्वावलंबी बनाएँ ।

ii) क) - विदेशियों के सामने अपने राष्ट्र की बुराई न करके ।

iii) ग) - करों का भुगतान पूरी ईमानदारी के साथ करके ।

iv) ख) - अवनति ।

v) ग) - भ्रष्ट+आचार ।

3. अपठित गद्यांश 1x5=5

i) घ) - विचारों का बल और शारीरिक बल ।

ii) ख) - तलवार से कलम की भाषा अधिक शक्तिशाली है ।

iii) ग) - जब लोगो के मन मे और विचारों में आग लगी हो ।

iv) क) - विष ।

v) ख) - कलम से वीरतापूर्ण विचारों का निर्माण होता है ।

4. अपठित गद्यांश 1x5=5

i) ख) - कायर ।

ii) क) - बदला लेना ।

iii) ग) - कायरतापूर्ण जीवन को ।

iv) क) - निराश होना ।

v) ख) - साहसी ।

खंड - 'ख'

(व्यवहारिक व्याकरण)

5. रचना के आधार पर वाक्य भेद - 1x3 = 3

क) मिश्र वाक्य ।

ख) जो विद्यार्थी प्रथम आएगा, उसे पुरस्कार दिया जाएगा ।

ग) हमने हर्षिता का पत्र पढ़ा और उसकी कुशलता का समाचार दिया ।

6. वाच्य 1x4 = 4

क) यह मकान दादाजी द्वारा बनवाया गया है ।

ख) उससे दौड़ा नहीं जाता ।

ग) अध्यापक ने विधार्थी को पढ़ाया ।

घ) राष्ट्रपति द्वारा इस भवन का उद्घाटन किया गया ।

7. पद- परिचय 1x4 = 4

क) अहा! - विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्ष सूचक ।

ख) उपवन में - जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक ।

ग) सुन्दर - गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग बहुवचन,फूल-विशेष्य ।

घ) खिले है - सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, वर्तमानकाल, कर्तृ वाच्य ।

8. रस 1x4 = 4

क) स्थायी भाव उत्पन्न होकर नष्ट नहीं होते, संचारी भाव पानी के बुलबुलों की भांति बनते-मिटते रहते है । प्रत्येक रस का एक निश्चित स्थायी भाव होता है, पर एक संचारी भाव अनेक रसों के साथ रह सकता है ।

ख) रौद्र रस का स्थायी भाव क्रोध है ।

ग) वीभत्स रस ।

घ) वियोग श्रृंगार रस का उदहारण -

कहेउ राम वियोग तब सीता ।
मों कहँ सकल भय विपरीता ।
नूतन किसलय मनहुं कृसानु ।
काल निसा सम निसि, ससि,भानू ॥

खंड - 'ग'
(पाठ्य पुस्तक)

9. पठित गद्यांश

क) प्राचीन नारियों ने अपने ज्ञान, तर्क और उपदेश द्वारा अपने ज्ञान की धाक जमाई थी । 1

ख) लेखक ने व्यंग्य में स्त्रियों द्वारा पूजनीय पुरुषों को हराने को 'भयंकर बात' कहा है । उन्होंने इसे 'पापी पढ़ने का अपराध' कहकर उन पुरुषों पर चोट की है जो स्त्रियों की शिक्षा के विरोधी हैं । 2

ग) यह वाक्य अहंकारी पुरुषों पर व्यंग्य है । लेखक की दृष्टि में वे पुरुष अन्यायी हैं जो स्त्रियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ने देना चाहते । 2

10. 2x5 = 10

क) जब लेखिका की बड़ी बहन की शादी हो गई तथा बड़े भाई पढाई के लिए कोलकाता चले गए तो उनके व्यक्तित्व का विकास होना शुरू हुआ । तब पिता ने उस पर ध्यान देना शुरू किया ।

ख) बिस्मिल्ला खां ने संगीत की वर्णमाला का पहला अक्षर रसूलनबाई और बतूलनबाई नाम की दो गायिका बहनों के गीतों को सुनकर सीखा ।

ग) लेखक के अनुसार वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' उसी व्यक्ति को कहा जा सकता है जो अपनी बुद्धि और विवेक द्वारा को किसी नवीन तथ्य का दर्शन करता है ।

घ) अपनों का विश्वासघात मनुष्य को तोड़कर रख देता है । इससे मनुष्य बहुत शक्की, अहंकारी, क्रोधी और चिडचिडा हो जाता है । उसका व्यक्तित्व खंडित हो जाता है ।

ङ) बिस्मिल्ला खां गंगा मैया, बाबा विश्वनाथ और बालाजी के मंदिर से गहरा लगाव रखते थे । बिस्मिल्ला खां ने इसी धरती पर शिक्षा ली, शहनाई सीखी और अदब पाई ।

11. पठित काव्यांश

क) कवि ने यश, वैभव, मान आदि को भ्रमित करने वाली मृगतृष्णा के समान बताया है, क्योंकि मनुष्य यश-आदि के लिए भ्रमित होता है और कभी संतृप्त नहीं होता है । 1

ख) मानव जीवन में सुख के बाद दुःख की काली छाया भी सामने खड़ी रहती है। यहाँ चाँदनीं रात मनुष्य के सुख का प्रतीक है तो काली रात दुःख का प्रतीक है। 2

ग) मनुष्य को यथार्थ से पलायन न कर यथार्थ का सामना करना चाहिए । जीवन में कठिनाइयाँ आती है इनसे विचलित हुए बिना उनका सामना करना चाहिए। 2

12. 2x5=10

क) श्रीराम परशुराम के क्रोधी स्वभाव से परिचित थे और स्वंय भी विनम्रता के धनी थे । वे यह भी जानते थे कि विनम्रता से क्रोध शांत हो जाएगा ।

ख) पानी में झांककर अपने सौन्दर्य से अभिभूत मत होना, वस्त्र और आभूषणों को बंधन मत बनने देना । मर्यादाओं का पालन करना परंतु निरी सहिष्णु बनकर मत रहना ।

ग) मुख्य गायक की गायिकी को सफ़ल बनाने के लिए संगतकार द्वारा अपनी आवाज को ऊँचा न उठाना उसकी कमजोरी या असफ़लता नहीं मानना चाहिए ।

घ) हमारे यहाँ देवता, ब्राहमण, ईश्वरभक्त तथा गौ पर शूरवीरता नहीं दिखाई जाती क्योंकि इन्हें मारने पर पाप लगता है और इनसे हारने पर बदनामी होती है ।

ङ) माँ बेटी को सीख देती है कि वह अपनी सुरक्षा पर आँच न आने दे । वह समझदारी से ऐसी स्थितियाँ बनाए कि कोई उस पर अन्याय और अत्याचार न कर सके ।

13. 5

'कटाओं' को अपनी स्वच्छता और सुन्दरता के कारण हिन्दुस्तान का स्विट्ज़रलैंड कहा जाता है । यह सुंदरता आज इसलिए विद्यमान है क्योंकि यहाँ कोई दुकान आदि नहीं है, यहाँ का व्यवसायीकरण नहीं हुआ है । मनुष्य अपनी जिम्मेदारी और कर्तव्य का पालन न कर प्रयुक्त चीजों के अवशिष्ट को जहाँ-तहाँ फेकं सौन्दर्य को ठेस पहुंचाए बिना नहीं रहता है ।

खंड-'घ'

(लेखन)

14. निबंध लेखन 10

प्रस्तुति - 1

भाषा-शुद्धता - 2

वाक्य-विन्यास - 1

विषयवस्तु (संकेत बिंदुओं के आधार पर) - 4

समग्र प्रभाव - 2

15. पत्र-लेखन 5

प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएं - 1+1

विषयवस्तु - 2

भाषा शुद्धता - 2

16. सार लेखन 5

शीर्षक - 1

संक्षेपण (एक तिहाई शब्दों में) -2

भाषा शुद्धता- 2